बॉबी देओल ने खोले 'अल्फा' के राज...

यशराज फिल्म्स की आगामी फिल्म 'अल्फा' इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म में आलिया भट्ट मुख्य भूमिका निभा रही हैं, जबकि बॉबी देओल भी इसमें अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच बॉबी देओल ने फिल्म की जमकर तारीफ करते हुए इसे एक शानदार, स्टाइलिश और हाई-एनर्जी मसाला एंटरटेनर बताया है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए बॉबी देओल ने कहा कि 'अल्फा' शुरू से आखिर तक दर्शकों को बांधे रखने वाली फिल्म है। उनके मुताबिक यह एक ऐसी एक्शन फिल्म है जो थिएटर में दर्शकों को पूरा मनोरंजन और रोमांच देने के इरादे से बनाई गई है। मुझे इस फिल्म की सबसे अच्छी बात यह लगी कि इसे पूरी तरह पता है कि यह क्या बनना चाहती है। शूटिंग के दौरान हर दिन सेट पर कुछ नया और रोमांचक देखने को मिलता था, इसलिए मैं हमेशा उत्साहित रहता था।

बॉबी देओल ने फिल्म के सेट के माहौल को भी बेहद खास बताया। उन्होंने कहा कि कलाकारों और तकनीकी टीम के बीच शानदार तालमेल था, जिसकी वजह से शूटिंग का अनुभव काफी यादगार बन गया। उन्होंने बताया कि पूरी टीम एक-दूसरे के साथ बेहद आत्मीयता और गर्मजोशी से पेश आती थी। यही वजह थी कि फिल्म पर काम करना उनके लिए बेहद आनंददायक अनुभव रहा। फिल्म के निर्देशक शिव रवैल के काम की सराहना करते हुए बॉबी ने कहा कि एक अभिनेता के तौर पर ऐसे निर्देशक के साथ काम करना प्रेरणादायक होता है, जिसे अपने विजन की पूरी समझ हो। सेट पर हमेशा सकारात्मक माहौल रहता था और इसका बड़ा श्रेय शिव रवैल को जाता है। उन्हें साफ पता था कि वह पर्दे पर कैसी दुनिया दिखाना चाहते हैं। उन्होंने कुछ ऐसा तैयार किया है जो बिल्कुल नया और अलग महसूस होता है। उस सफर का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा। बॉबी देओल ने फिल्म में आलिया भट्ट और शर्वरी के काम की भी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि दोनों अभिनेत्रियों ने अपने किरदारों के लिए शानदार मेहनत और समर्पण दिखाया है। आलिया और शर्वरी को इतने बड़े एक्शन स्पेक्टेकल का हिस्सा बनते देखना बेहद रोमांचक था। दोनों ने अपने किरदारों के लिए जबरदस्त एनर्जी और समर्पण दिखाया, जिसने इस प्रोजेक्ट को और खास बना दिया। बॉबी देओल ने अंत में कहा कि वह बेसब्री से उस पल का इंतजार कर रहे हैं जब दर्शक 'अल्फा' को बड़े पर्दे पर देखेंगे। उन्हें उम्मीद है कि फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिलेगा। शिव रवैल के निर्देशन में बनी और यश राज फिल्म्स द्वारा निर्मित 'अल्फा' में आलिया भट्ट, शर्वरी और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

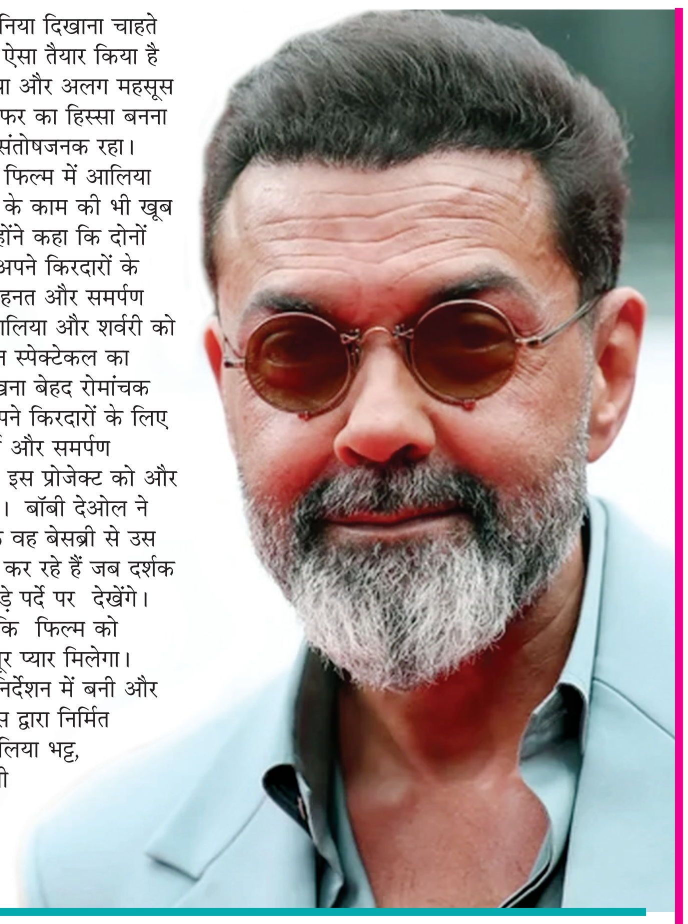

राहुल गांधी को पसंद करती हैं खुशी...

अपनी बोल्ड फैशन चॉइस के लिए मशहूर एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी ने अपने नए बयान से तहलका मचा दिया है। उन्होंने कुबूल किया है कि उन्हें कांग्रेस नेता राहुल गांधी काफी पसंद हैं। उन्हें लगता है कि राहुल को खामखा ट्रोल किया जाता है।

खुशी ने जताया कि अगर राहुल प्रपोज करते हैं तो वो शादी भी जरूर करना चाहेंगी। उन्होंने गीतू परमार से बातचीत में अपनी फीलिंग्स जाहिर कीं। उन्होंने अपनी ट्रोलिंग पर बात करते हुए बताया कि राहुल गांधी और हमारी सरकार को भी बहुत ट्रोल किया जाता है। ऐसा वो करते हैं जो लोग खाली होते हैं।

जब उनसे पूछा गया कि राहुल आपको अच्छे लगते हैं क्या खुशी ने कहा- जैसा कि मैंने पिछले 10 सालों में देखा है, उन्हें बहुत गंदे तरीके से ट्रोल किया जाता है। चाहे वो ऑन-कैमरा हो या न हो।

किसी एक इंसान के मेंटल हेल्थ को इस तरह से तोड़ना अच्छी बात नहीं है। पिछले कुछ महीनों में मैंने भी उस चीज को फील किया है। राहुल के साथ भी वही हुआ है, एक अकेले वो और आमने-सामने इतने सारे लोग। अक्सर उनके नाम पर मीम बना दिया जाता है।

खुशी ने कहा कि- मैं राहुल गांधी को खुद से बहुत जोड़ के देखती हूं। वो बहुत पढ़े लिखे हैं। अच्छे दिखते हैं। मुझे लगता है उन्हें भी एक फेयर और बराबर का मौका मिलना चाहिए।

खुशी के मुंह से राहुल की इतनी तारीफ सुनने के बाद जब पूछा गया कि कहीं आप उनमें अपना हसबैंड मेटेरियल तो नहीं देखतीं। ये सवाल सुनकर खुशी ब्लश करने लगीं। उन्होंने जवाब दिया- आप ही बता दो। आप तो एस्ट्रोलॉजर भी हैं ही।

जब बात हुई कि क्या खुशी और राहुल की कुंडली मिला दी जाए तो खुशी ने शरमाते हुए आगे कहा कि- अगर राहुल खुद आकर, अपने घुटने पर बैठकर मुझे गुलाब देते हुए प्रपोज करें- तो क्यों नहीं। वो प्रपोज करेंगे तो मैं देखूंगी, सोचूंगी।

खुशी अक्सर विवादों में रहती हैं, उन्होंने हाल ही में इंडियन टीम के स्टार क्रिकेटर सूर्य कुमार यादव को लेकर कह चुकी हैं कि वो उन्हें मैसेज किया करते थे।

इसपर भी एक्ट्रेस ने कहा कि हमारी दोस्ती थी। कई बातें हमने की हैं, लेकिन अब वो कैप्टन बन गए हैं तो बात अलग हो गई है। खुशी अपना एडल्ट ऐप भी चला चुकी हैं जिसके जरिए उन्होंने करोड़ों की कमाई की थी।

एक्ट्रेस हुई डीप फेक का शिकार, 29 अकाउंट्स पर हुई एफआईआर

रुक्मिणी वसंत ने डीपफेक वीडियो मामले में कितने सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई वायरल वीडियो को लेकर रुक्मिणी वसंत ने क्या दावा किया फेक वीडियो फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने क्या कार्रवाई शुरू की है कई भाषाओं की फिल्मों में काम कर चुकीं एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत के डीपफेक अश्लील वीडियो मामले में 29 से ज्यादा सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ सीसीबी साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। एक्ट्रेस ने अपनी शिकायत में कहा है कि फेक वीडियो फैलाकर उनकी छवि खराब करने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने 9 इंस्टाग्राम, 14 एक्स (पहले ट्विटर) और 6 फेसबुक अकाउंट्स समेत कुल 29 सोशल मीडिया अकाउंट होल्डर्स के खिलाफ एफआआर दर्ज की है। अब साइबर पुलिस फेक वीडियो फैलाने वाले आरोपियों की तलाश में जुट गई है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक्ट्रेस रुक्मिणी को स्विमसूट (बिकिनी) में फोटोशूट कराते हुए दिखाया गया था। बाद में रुक्मिणी ने साफ किया था कि यह वीडियो नकली है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का इस्तेमाल कर उनकी तस्वीर से डीपफेक वीडियो बनाया गया है।

डीपफेक एक ऐसी तकनीक है जिसमें एआई और मशीन लर्निंग की मदद से किसी व्यक्ति का चेहरा, आवाज़ या हाव-भाव किसी दूसरे वीडियो, फोटो या ऑडियो में इस तरह जोड़ा जाता है कि वह बिल्कुल असली लगे।

क्या सुष्मिता सेन सच में गोल्ड डिगर थीं...

क्या सुष्मिता सेन सच में गोल्ड डिगर थीं आखिर ब्रेकअप के सालों बाद ललित मोदी ने उन्हें डायमंड क्यों कहा क्यों खुद को केप्ट बॉयफ्रेंड बताने लगे पूर्व आईपीएल चेयरमैन दोनों का रिश्ता टूटा कैसे और उस वायरल पोस्ट के पीछे क्या थी असली कहानी ललित मोदी के नए खुलासों ने एक बार फिर पुराने विवाद को सुर्खियों में ला दिया है।

साल 2022 में जब ललित मोदी ने सोशल मीडिया पर सुष्मिता सेन के साथ अपने रिश्ते का ऐलान किया था, तब इंटरनेट पर जबरदस्त हलचल मच गई थी। जहां कुछ लोगों ने दोनों को बधाई दी, वहीं कई यूजर्स ने सुष्मिता को गोल्ड डिगर कहकर ट्रोल करना शुरू कर दिया। अब रिश्ता खत्म होने के कई साल बाद ललित मोदी ने पहली बार खुलकर इस विवाद पर बात की है। उन्होंने ना सिर्फ सुष्मिता का बचाव किया, बल्कि उन्हें सच्चा डायमंड भी बताया। साथ ही उन्होंने ब्रेकअप की वजह, वायरल पोस्ट की कहानी और अपने रिश्ते की कई अनसुनी बातें भी साझा की हैं।

सुष्मिता गोल्ड डिगर नहीं, एक सेल्फ मेड महिला हैं: ललित मोदी-हाल ही में ह्यूमन ऑफ बॉम्बे को दिए एक इंटरव्यू में ललित मोदी ने सुष्मिता सेन पर लगे गोल्ड डिगर टैग को पूरी तरह गलत बताया। उन्होंने कहा, सुष्मिता गोल्ड डिगर नहीं थीं। वह एक खूबसूरत, सफल और अपनी मेहनत से पहचान बनाने वाली महिला हैं। ललित मोदी ने कहा कि सुष्मिता आर्थिक रूप से पूरी तरह स्वतंत्र थीं और उन्हें किसी के पैसों की जरूरत नहीं थी। सुष्मिता की आर्थिक स्वतंत्रता का जिक्र करते हुए ललित मोदी ने मजाकिया अंदाज में कहा, ऐसा कभी नहीं हुआ कि हम कहीं बाहर गए हों और मुझे किसी चीज का पेमेंट करना पड़ा हो। वह हर चीज का पेमेंट खुद करती थीं। मैं तो जैसे केप्ट बॉयफ्रेंड था।

ललिता मोदी ने आगे कहा वह किसी से कुछ स्वीकार करना पसंद नहीं करती थीं। इसलिए जब लोगों ने उन्हें गोल्ड डिगर कहा, तो वह पूरी तरह गलत था। ललित मोदी ने सुष्मिता की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनका रिश्ता कभी पैसों पर आधारित नहीं था। बकौल मोदी, वह एक सच्चा डायमंड हैं। वह जिसे चाहें, उसके साथ रह सकती हैं। हमारा रिश्ता कभी पैसों की वजह से नहीं था। यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

ललित मोदी ने पहली बार अपने और सुष्मिता सेन के अलग होने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, उनका करियर भारत में था और मेरी जिंदगी लंदन में। दूरी ही आखिरकार हमारे रिश्ते के खत्म होने की वजह बनी। हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि आज भी दोनों के बीच सम्मान और दोस्ती का रिश्ता कायम है। इंटरव्यू के दौरान ललित मोदी ने सुष्मिता सेन की बेटियों रेनी और अलीशा की परवरिश को लेकर भी उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वह एक शानदार महिला हैं और उन्होंने अपनी बेटियों रेनी और अलीशा के लिए एक सिंगल मदर के तौर पर जो किया है, वह काबिल-ए-तारीफ है।

ललित मोदी ने उस सोशल मीडिया पोस्ट का भी जिक्र किया, जिसने 2022 में इंटरनेट पर तहलका मचा दिया था। उन्होंने बताया, उन्हें नहीं लगा था कि मैं सच में वह पोस्ट कर दूंगा। मैं हंसा और पोस्ट बटन दबा दिया। जब तक हम लैंड हुए, तब तक हर तरफ उसी की चर्चा हो रही थी। ललित मोदी के मुताबिक, उस पोस्ट के बाद जो रिएक्शन मिले, उसकी उन्होंने भी कल्पना नहीं की थी। अपने रिश्ते को याद करते हुए ललित मोदी ने कहा, हमारी कहानी खूबसूरत थी और मुझे उसके एक भी पल का पछतावा नहीं है। वह बेहद खास महिला हैं और उनका व्यक्तित्व शानदार है। उन्होंने यह भी कहा कि आज भी सुष्मिता उनकी बहुत अच्छी दोस्त हैं।

जब 2022 में सुष्मिता सेन को गोल्ड डिगर कहा गया था, तब उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था, मैं सोने से कहीं ज्यादा गहराई तक देखती हूं। और मैंने हमेशा हीरे पसंद किए हैं। और हां, मैं आज भी उन्हें खुद खरीदती हूं। यह पोस्ट उस समय सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थी।

फिल्म देख दुखी हो गए थे माता-पिता : कंगना

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मंडी से बीजेपी सांसद कंगना रनौत इन दिनों अपनी नई फिल्म भारत भाग्य विधाता को लेकर चर्चा में हैं। वह इससे पहले 2025 में फिल्म इमरजेंसी में नजर आई थीं। साल 2019 में मणिकर्ण का के बाद लगातार 8 फ्लॉप फिल्मों का दंश झेल रही कंगना को जहां अपनी इस नई फिल्म से बहुत उम्मीदें हैं, वहीं उन्होंने एक हालिया बातचीत में डेब्यू फिल्म गैंगस्टर से जुड़ा एक खुलासा किया है। 40 साल की कंगना ने 2006 में इमरान हाशमी और शाइनी आहूजा के अपोजिट बॉलीवुड में एंट्री की थी। एक्ट्रेस ने बताया कि भले ही उनकी पहली फिल्म गैंगस्टर हिट हुई थी, लेकिन उसे देखने के बाद उनके माता-पिता बिल्कुल भी खुश नहीं थे। कंगना ने बताया कि पैरेंट्स के इस रिएक्शन ने उन्हें तोड़कर रख दिया था। हालांकि, जब उन्हें उनका पहला नेशनल अवॉर्ड मिला, तब कहीं जाकर परिवार ने उनकी कामयाबियों की तारीफ करना शुरू किया।

बिजनसमैन पिता अमरदीप रनौत और टीचर मां आशा रनौत की बेटी कंगना ने 2006 की उन दुख भरी यादों पर कहा, मेरा परिवार फिल्म इंडस्ट्री को शक की नजर से देखता था और मानता था कि इस पर लंबे समय से अंडरवर्ल्ड का असर रहा है। मेरी कामयाबी के बावजूद मेरे माता-पिता एक्टिंग करियर को लेकर पूरी तरह से राज़ी नहीं थे।

गैंगस्टर मूवी के बाद मेरे पिता ने तो मुझे कोई रिएक्शन ही नहीं दिया। जब मैंने मां से पूछा तो उन्होंने कहा कि हमारी समझ में तो बस यही आया कि तुम अभी छोटी हो और तुमसे इस तरह के सीन करवा लिए गए।

चार नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीत चुकीं कंगना रनौत ने कहा, मैं जो कर रही थी, उससे वे बहुत ज्यादा खुश नहीं थे। लेकिन उन्हें पता था कि मैं खुद ही सब संभाल लूंगी। गैंगस्टर के बाद मेरे पिता ने तो मुझे कोई रिएक्शन ही नहीं दिया। जब मैंने अपनी मां से पूछा तो उन्होंने कहा कि नहीं, हमारी समझ में तो बस यही आया कि तुम अभी छोटी हो, कम उम्र की हो। और तुमसे इस तरह के सीन करवा लिए गए।

मुझे बहुत दुख हुआ कि उन्होंने फिल्म को इस तरह से देखा, क्योंकि वे सोच रहे थे कि समाज क्या सोचेगा। उसके बाद मैंने सोच लिया कि मैं अपने माता-पिता से अपनी फिल्मों के बारे में कभी कोई राय नहीं मांगूंगी।

कंगना ने बताया कि उन्हें यह देखकर हैरानी हुई कि उनके माता-पिता ने उनकी एक्टिंग के बजाय सिर्फ कुछ सेंसुअल सीन पर ही ध्यान दिया। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैंने उन्हें जवाब दिया कि क्या आपको पूरी फिल्म में सिर्फ वही सीन दिखे मुझे बहुत दुख हुआ कि उन्होंने फिल्म को इस तरह से देखा, क्योंकि वे सोच रहे थे कि समाज क्या सोचेगा। उसके बाद मैंने सोच लिया कि मैं अपने माता-पिता से अपनी फिल्मों के बारे में कभी कोई राय नहीं मांगूंगी, क्योंकि उन्होंने कभी फिल्में देखी ही नहीं हैं।

कंगना रनौत ने यह भी बताया कि 2014 में जब फिल्म क्वीन में उनकी एक्टिंग की खूब सराहना हुई, खासकर जब उन्हें अमिताभ बच्चन से तारीफ मिली, तब कहीं जाकर उन्हें खुद भी यह समझने में मदद मिली कि कला की तारीफ और उनके नजरिए में कितना फर्क है। वह कहती हैं, जब मिस्टर बच्चन ने मुझे क्वीन में मेरी एक्टिंग के लिए एक बहुत प्यारी चिट्ठी भेजी, तो मैंने सोचा कि मिस्टर बच्चन इसे समझ पा रहे हैं, लेकिन मेरे पिता इसे क्यों नहीं समझ पा रहे और मैं इसके लिए अपने पिता से नाराज नहीं हो सकती, क्योंकि वह कोई कलाकार नहीं हैं। उनका काम अलग है।

कंगना आगे बताती हैं, फिर जब मुझे नेशनल अवॉर्ड मिला तो वे बहुत खुश हुए। उनके लिए वह एक बहुत बड़ी बात थी कि मुझे भारत के राष्ट्रपति के हाथों अवॉर्ड मिला। तब कहीं जाकर मेरे माता-पिता खुश हुए।

कंगना रनौत की अपकमिंग फिल्म भारत भाग्य विधाता सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। यह संकट के दौरान एक सरकारी अस्पताल के भीतर दिखाई गई हिम्मत और इंसानियत की कहानी है। फिल्म इस बात पर जोर डालती है कि कैसे अस्पताल में नर्सें, वार्ड बॉय, सफाईकर्मी, लिफ्ट ऑपरेटर, सुरक्षाकर्मी और प्रशासनिक कर्मचारी, बाहर मची अफरा-तफरी के बीच लोगों की जान बचाने के लिए एक साथ आते हैं। मेकर्स के मुताबिक, जहां बाहर आतंक लोगों की जान ले रहा था, वहीं कामा अस्पताल के भीतर 400 जानें बचाई गईं। फिल्म इस मुश्किल हालात में हिम्मत और दया की अनूठी कहानी बताती है।